हमारे बारे में: About Us:

भारत में सभी क्षेत्रों में किए जाने वाले टनलिंग कार्यों का वर्तमान बाजार आकार लगभग 3000 किलोमीटर है। भारत में अग्रणी विश्वविद्यालय टनलिंग में बुनियादी पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करते हैं। पेशेवरों ने मुख्य रूप से या तो विदेशों में शैक्षिक पाठ्यक्रमों का अध्ययन करके, छोटे पाठ्यक्रमों में भाग लेकर, भारत में परियोजनाओं में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को जोड़कर, अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं में कार्य अनुभव आदि के आधार पर टनलिंग में ज्ञान प्राप्त किया है। ज्ञान और योग्य जनशक्ति के स्तर में बहुत बड़ा अंतर है। भारत में बुनियादी ढांचे के विकास के प्रमुख खंड को पूरा करने के लिए आवश्यक है।

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (KRCL) रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जिसकी स्थापना वर्ष 1990 में भारत के पश्चिमी तट पर 740 किमी लंबी कोंकण रेलवे के निर्माण और साथ में रेलवे यातायात के संचालन के लिए की गई थी। रास्ता कार्य में 91 सुरंगों का निर्माण शामिल था। 122 सड़क, रेलवे और जलमार्ग सुरंगों का निर्माण करने के बाद, केआरसीएल को भारत में परिवहन सुरंगों की अधिकतम संख्या का निर्माण करने वाली इकाई होने का गौरव प्राप्त है। यह वर्तमान में भारतीय रेलवे की प्रतिष्ठित उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना में हिमालय सहित देश में 50 किलोमीटर सुरंग के निर्माण में लगी हुई है।

23 अक्टूबर 2015 को केआरसीएल द्वारा स्थापित, मार्गो में जॉर्ज फर्नांडीस इंस्टीट्यूट ऑफ टनल टेक्नोलॉजी, जीएफआईटीटी ने पेशेवरों, डॉक्टरेट, पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम और अंततः बैचलर प्रोग्राम के लिए लघु और लंबी अवधि के सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित करने की परिकल्पना की है। यह सामग्री के परीक्षण और अनुसंधान का केंद्र भी होगा। इस प्रकार जीएफआईटीटी भारत में बुनियादी ढाँचे के विकास के चक्र में एक महत्वपूर्ण दल होगा।